<u>ललित नारायण मिथिला विश्वविद्यालय, कामेश्वरनगर, दरभंगा</u>

पी-एच०डी० (मैथिली) उपाधि हेतु प्रस्तुत

शोध प्रबंधक प्रारूप

विषय : मैथिली साहित्यमे अभिव्यक्त वैधव्य जीवनक विवेचन

संकाय : मानविकी

<u>शोध- निर्देशक</u>

अशोक 30.3.24

(प्रो. अशोक कुमार मेहता)

प्राचार्य

विश्वविद्यालय मैथिली विभाग,

ललित नारायण मिथिला विश्वविद्यालय,

कामेश्वरनगर,दरभंगा 846004

<u>गवेषिका</u>

Priyanka Kumari
30/3/24

(प्रियंका कुमारी)

यू.जी.सी.नेट-जे.आर.एफ.

BR04000001

पैट क्रमांक:- E2211009

ग्राम :- धरहरा पुल बाइपास रोड

पोस्ट:- आरा

थाना:- नगर

जिला:- भोजपुर(बिहार)

पिन कोड :- 802301

मैथिली साहित्यमे अभिव्यक्त वैधव्य जीवनक विवेचन

प्रस्तावना :-

पुरुषक मृत्युक पश्चात् हुनक स्त्रीकें विधवा कहल जाइत अछि। भारतीय समाजमे विधवाक प्रति दृष्टिकोण प्रतिकुल रहल अछि । एकर अनुमान एहिसँ लगाओल जा सकैत अछि जे विधवा स्त्रीकें मृत पतिक चिताक संग सती होमय पड़ैत छल। ओना एहि प्रथाकें 1829 ई० मे प्रतिबंध क' देल गेल मुदा विधवाकें ल' समाजक नजरिमे विशेष परिवर्तन नहि आयल। भारतीय समाजमे प्रायः सभ सामाजिक कुरीति धार्मिक मान्यताक आधार पर रहैत छल। विधवाकें अशुभ छाया मानल जाइत अछि आ धार्मिक - मांगलिक अनुष्ठान, विवाह जेहन कार्यक्रममे दूर रखबाक प्रयास कयल जाइत अछि।

वैधव्य अपना संग असंख्य सामाजिक, आर्थिक ओ मनोवैज्ञानिक समस्या ल' क' अबैत अछि। एहन स्थितिमे समाजक व्यवहार संवेदनशील होयबाक बदला अधिकांश असंवेदनशील भ' जाइत अछि। हुनका प्रति एहन व्यवहार होमय लगैत अछि, जेना एहि दुर्घटनाक लेल वएह दोषी होथि । एहि समाजक पाखंड, पूर्वाग्रह, रूढ़ि ओ कलुषित विचार पर मैथिली साहित्यक सुचेता लोकनि प्रारम्भिक कालहिसँ सावधान रहलाह अछि ।

मैथिली साहित्यक प्रत्येक विधामे 'सामाजिक कुरीति पर प्रहार' प्रधान विषय रहैत छल । एकर अन्तर्गत विवाहजन्य समस्या जेना- बाल विवाह, बहु विवाह, वृद्ध विवाह, बेमेल विवाह इत्यादि प्रमुख छल । एहि बेमेल विवाहक दुष्परिणाम छल वैधव्य जीवन । विधवा जीवनक वैविध्य रूप आधुनिक कालक रचनाकार यथा -

कथाकार - जनार्दन झा 'जनसीदन', हरिनंदन ठाकुर 'सरोज', हरिमोहन झा, वैद्यनाथ मिश्र 'यात्री', राजकमल चौधरी, लिली रे, नीता झा, विभूति आनंद, ज्योत्स्ना चन्द्रम आदि ।

कवि - काशीकान्त मिश्र 'मधुप', सुरेन्द्र झा 'सुमन', वैद्यनाथ मिश्र 'यात्री' आदि ।

उपन्यासकार - ललित, मायानंद मिश्र, रमानंद रेणु आदि ।

नाटककार - महेन्द्र मलंगिया, रामभरोस कापड़ि 'भ्रमर' आदि ।

निबंधकार - उषाकिरण खान, देवशंकर नवीन, रमण कुमार सिंह, श्रीधरम, कीर्तिनाथ झा आदि अपन - अपन रचनामे वैधव्य जीवनक त्रासदी, विधवाक आशा - आकांक्षा तथा बदलैत सामाजिक स्थितिमे विधवाक प्रति समाजक बदलैत दृष्टिकोणकें अभिव्यक्ति प्रदान कयलनि अछि ।

शोधक आवश्यकता ओ उद्देश्य :-

साहित्यकें समाजक दर्पण कहल गेल अछि । जखन कोनो भाषा साहित्यमे जतबा साहित्य लिखल जाइत अछि ओतबहिँ एकाग्रतासँ ओहि विषय पर समीक्षा, आलोचना ओ अन्वेषणक कार्य नहि होइत अछि तँ ओ साहित्य ओतेक सक्षम ओ ठोस नहि मानल जाइत अछि । भूमंडलीकरणक एहि युगमे मैथिली साहित्यमे नारी चेतना पर तँ बहुत कार्य भेल मुदा शोधक भंडारमे वैधव्य जीवन पर कोनो तरहक कार्य एखनधरि नही भेल अछि । एहि शोधसँ मैथिली साहित्यमे विधवाक स्थिति पर सूक्ष्म दृष्टिसँ अवलोकन कयल जायत, जाहिसँ नव तथ्य ओ नव दृष्टिकोण प्रकाशमे आयत ।

प्रस्तावित शोध-कार्यसँ स्त्रीक वैधव्य जीवनक दंशकें बुझल जा सकैत अछि । मिथिलाक समाजमे अपन अस्तित्वक संघर्ष कयनिहारि विधवाक अंतर्वेदनाक यथार्थ चित्रण जे मैथिली साहित्यक माध्यमसँ भेल अछि, तकरा समेकित रूपसँ उद्दत कयल जायत ।

शोधक महत्व :-

कोनो विषयपर शोधकार्य भेने ओहि विषयक महत्व बढ़ैत अछि, साहित्यक विकाससँ समाजक विकास होइत अछि । स्त्रीकें विधवाक रूपमे जे समाजसँ प्रताड़ना भेटैत अछि तकर दशकें मैथिला साहित्यक काव्य, कथा, उपन्यास, नाटक आओर अन्यान्य विधामे वर्णित वैधव्य जीवनक विवेचन अन्वेषण क' समाजकें प्रगतिक मार्ग पर अग्रसर करबामे एहि शोधक एकटा प्रयास रहत । आदि कालसँ एखनधरि मैथिली साहित्यमे परिवर्तन होइत रहल अछि । ओहि परिवर्तनमे विधवाक जीवनमे कतेक सुधार भेल अछि तकरा उद्घाषित कयल जायत ।

पूर्वमे कयल गेल शोध विषयक कार्य :-

हमर जानकारीमे ललित नारायण मिथिला विश्वविद्यालय ओ अन्य विश्वविद्यालयमे 'मैथिली साहित्यमे अभिव्यक्त वैधव्य जीवनक विवेचन' विषय पर एखनधरि पी-एच० डी० उपाधि हेतु कोनो शोध-कार्य नहि भेल अछि । अतः प्रस्तावित शोध कार्य सर्वथा नवीन ओ महत्वपूर्ण अछि ।

प्रस्तावित शोधक संभावित परिणाम :-

प्रस्तावित शोध-कार्यक संभावित परिणाम ई अछि जे मिथिलाक सामाजिक परिवेशमे विधवा स्त्रीक स्थिति, जाहिमे समाहित अछि - मानवीय संवेदना, शारीरिक – मानसिक हिंसा, मुक्तिक छटपटाहटि, रूढ़िवादी परम्परामे विधवा स्त्री, जाहिक माध्यमसँ मैथिली साहित्यमे एक नव दिशा प्रशस्त होयत । मैथिली साहित्यमे रचित विधवा पर आधारित रचनाक विवेचन, विश्लेषण एवं मूल्यांकनसँ साहित्यकार, साहित्यप्रेमी, विद्यार्थी, शिक्षक एवं शोधार्थीक विधवासँ संबंधित विस्तृत जानकारी भेटत ।

शोध सामग्रीक स्रोत ओ प्रविधि :-

शोध सामग्री स्रोतक रूपमे हम प्राथमिक एवं द्वितीयक स्रोतक उपयोग करब । विवेच्य विषयसँ संबंधित सामग्रीक लेल सार्वजनिक, सांस्थानिक, निजी पुस्तकालय एवं इंटरनेट आदिसँ स्रोत एकत्रित करब । विभिन्न पत्र-पत्रिकाक संधान करब । समीक्षात्मक, आलोचनात्मक पोथीक अध्ययन आओर पूर्वमे भेल अनुसंधान - कार्यक अध्ययन करब। चयनित विषय पर प्रस्तावित शोध प्रबंधकेँ तैयार करबाक लेल मैथिली साहित्यक विस्तृत अनुशीलनक आवश्यकता अछि । विधवा स्त्रीक चित्रण ओ चर्चा विभिन्न विधामे भेल अछि तकर यथासाध्य विश्लेषण एहि शोध प्रबंधमे कयल जायत ।

उपरोक्त उपलब्ध सामग्रीक आधार पर वर्णनात्मक, विवरणात्मक एवं समीक्षात्मक प्रविधिकें अपनबैत एहि शोध प्रबंधकें तैयार करब ।

शोध प्रबंधक संभावित रूपरेखा :-

अध्ययनक सुविधाक दृष्टिसँ प्रस्तावित शोध- प्रबंधकें निम्न रूपें अध्यायमे विभक्त करबाक योजना अछि –

1. पहिल अध्याय :-
   भारतीय साहित्यमे अभिव्यक्त वैधव्य जीवनक विवेचन
2. दोसर अध्याय :-
   मैथिली कथा साहित्यमे अभिव्यक्त वैधव्य जीवन
3. तेसर अध्याय :-
   मैथिली काव्य साहित्यमे अभिव्यक्त वैधव्य जीवन
4. चारिम अध्याय :-
   मैथिली उपन्यास साहित्यमे अभिव्यक्त वैधव्य जीवन
5. पाँचम अध्याय :-
   मैथिली नाट्य साहित्यमे अभिव्यक्त वैधव्य जीवन
6. छठम अध्याय :-
   मैथिली साहित्यक अन्यान्य विधामे अभिव्यक्त वैधव्य जीवन

परिशिष्ट :-

[क] उपसंहार

[ख] अधीत ग्रन्थक सूची

[ग] पत्र-पत्रिकाक सूची

उपरोक्त रूपरेखाकें विशेष परिस्थितिमे आवश्यकतानुसार संशोधन ओ परिवर्तन सेहो कयल जा सकैत अछि ।

पहिल अध्याय :- भारतीय साहित्यमे अभिव्यक्त वैधव्य जीवनक विवेचन

वैधव्य जीवन मैथिलिएक लेल नहि अपितु भारतक आनो - आनो भाषा साहित्यक क्षेत्रमे सोचनीय अछि । पहिल अध्यायमे भारतक विभिन्न भाषा साहित्यमे विधवा स्त्रीक सामाजिक ओ पारिवारिक जीवनक उल्लेख कयल गेल अछि, तकर अध्ययन ओ अनुशीलन कयल जायत । भारतमे नारी चेतनाक स्वरूप भारतीय हिन्दू समाजमे विशेषतः शास्त्रमे विधवा नारीकें कोन रूपमे देखल गेल अछि ? नारीक संवैधानिक स्थिति की छैक ? तकर विस्तारक संग एहि अध्यायमे चर्चा करबाक नेयार अछि ।

दोसर अध्याय :- मैथिली कथा साहित्यमे अभिव्यक्त वैधव्य जीवन

मैथिली साहित्यमे कथा लिखबाक परम्परामे मौलिक कथाक शुरुआतमे स्त्रीक वैधव्य जीवनक चित्रण कयल गेल अछि । विधवाक जीवन विभिन्न कालखण्डमे विभिन्न स्थितिमे रहल, तकर मार्मिक स्वरूपक चर्चा कथा साहित्यमे कयल गेल अछि ।

मैथिली महासभाक नवसूत्री योजनाक प्रभाव कथाकारकें प्रभावित कयलक आ कथाकार तत्कालीन समाजक विकसित रूप स्पष्ट छल ताहिमे सुधार अनबाक दिशामे प्रयत्नशील भेलाह तथा कथाक दिशामे उपेक्षित नारीक चित्रण खास क' विधवाक विभिन्न समस्यासँ कथानक द्वारा समाजक आँखि पर पड़ल पट्टी खोलबाक दिशामे प्रयासरत भेलाह। मैथिली कथा साहित्यमे उल्लेखित विधवा स्त्रीक विभिन्न स्वरूपक चर्चा एहि अध्यायमे कयल जायत ।

तेसर अध्याय :- मैथिली काव्य साहित्यमे अभिव्यक्त वैधव्य जीवन

समस्त साहित्यक विधामे कविताक सबल सरोकार समाज संग रहबाक कारणें साहित्यिक स्वरूपमे पद्यक स्थान महत्वपूर्ण ओ व्यापक अछि । आधुनिक मैथिली साहित्य खास क' नव काव्य विधाक क्षेत्रमे नारी-चित्रण, नारी-विमर्श थोड़-बहुत प्रायः सभ रचनाकारक रचनामे आयल अछि ।

विधवाक पीड़ा, मनोव्यथा ओ चित्तक हाहाकार वैद्यनाथ मिश्र 'यात्री' विलाप शीर्षकमे कयलनि अछि –

'विधवा हमरे सन हजारक हजार
बहौने जा रहल अछि नोरक धार
ओहीमे ई मुलुक डूबि बरु जाय
ओहीमे लोक-वेद भसिया बरु जाय'

मैथिली साहित्यक विविध काव्यमे विधवाक अंतर्वेदनाक चित्रण कयल गेल अछि। एहि अध्यायमे विभिन्न काव्यमे चित्रित विधवा स्त्रीक मादें विवेचन कयल जायत।

चारिम अध्याय :- मैथिली उपन्यास साहित्यमे अभिव्यक्त वैधव्य जीवन

समकालीन मैथिल समाजक चित्रण करबामे उपन्यास विधा सशक्ताक संग ठाढ़ अछि। एहिमे सम्पूर्ण जीवनक समग्र चित्र प्रस्तुत करबाक प्रयास कयल जाइत अछि। मैथिली साहित्यक बेसी उपन्यासमे विधवाक कोनो ने कोनो स्वरूपक निश्चित रूपें निखरि कए समक्ष आयल अछि। ललितक उपन्यास 'पृथ्वीपुत्र' मे बेनी स्वामीक असामयिक मृत्युक कारणें पीड़ित अछि। सुखद दाम्पत्यक स्मरण होइतहि हृदय विदारक करुणाक छाया बेनीकें सभ किछु बिसरि जयबाक लेल बाध्य करैत अछि।

एहि अध्यायमे मैथिली उपन्यास साहित्यमे चित्रित विधवाक विभिन्न स्वरूपक अनुशीलन कयल जायत ।

पाँचम अध्याय :- मैथिली नाट्य साहित्यमे अभिव्यक्त वैधव्य जीवन

"लोक वृतानुकरणं नाट्यम् अर्थात लोक चरितक अनुकरण थिक नाटक । मैथिली साहित्यक आधुनिक कालमे मैथिली नाटक वैवाहिक समस्या, पारिवारिक विघटन समस्या आदिक चित्रण भेल अछि । विधवा स्त्रीक समस्याकें नाटकक माध्यमसँ चित्रित करबामे प्रमुख नाटक अछि- मालिक सभ चलि गेलाह, काठक लोक, एकटा आओर वसन्त आदि ।

एहि अध्यायमे नाटकमे चित्रित विधवा स्त्रीक विभिन्न स्थितिक विश्लेषण करबाक प्रयास कयल जायत ।

छठम अध्याय :- मैथिली साहित्यक अन्यान्य विधामे अभिव्यक्त वैधव्य जीवन

मैथिली साहित्यमे काव्य, कथा, उपन्यास, नाटक अतिरिक्त जीवनी, संस्मरण, आत्मकथा, निबंध आदि अनेक विधामे विधवाक जीवन शैली पर विमर्श कयल गेल अछि ।

एहि अध्यायमे विभिन्न विधामे वर्णित विधवा स्त्रीक विविध स्वरूपक अध्ययन अनुशीलन कयल जायत ।

परिशिष्ट :-

[क] उपसंहार :-

उपसंहारक अंतर्गत छओ अध्यायमे वर्णित विषयकँ सारांश रूपमे प्रस्तुत कयल जायत । समस्त शोधकार्यक महत्वपूर्ण बिंदु पर संक्षिप्त रूपैं विवेचन कयल जायत ।

[ख] अधीत ग्रंथक सूची :-

संस्कृत

1. महाराज, स्वामी श्रीकरपात्रीजी; 1982; भक्तिसुधा; गीताप्रेस, गोरखपुर
2. गोयन्दका, श्रीहरिकृष्णदास, (अनुवाद); श्रीमद्भागवतगीता; गीताप्रेस, गोरखपुर
3. द्विवेदी, पं० गिरिजाप्रसाद, (अनुवाद); 1917; मनुस्मृति; नवलकिशोर प्रेस, लखनऊ
4. श्रीमद्वाल्मीकीय रामायण, गीताप्रेस, गोरखपुर, 2022

मैथिली

i. झा, डॉ० दुर्गानाथ 'श्रीश'; 2023 – 24 (पाँचम संस्करण); मैथिली साहित्यक इतिहास; जेनरल बुक एजेन्सी, पटना

ii. मिश्र, मायानंद; 2014; मैथिली साहित्यक इतिहास; किसुन संकल्प लोक, सुपौल

iii. झा, डॉ॰ दिनेश कुमार; 2012 (चतुर्थ संस्करण); मैथिली साहित्यक आलोचनात्मक इतिहास; मैथिली अकादमी, पटना

iv. झा, बासुकीनाथ; 2003; मैथिली कथाक विकास; साहित्य अकादमी, नई दिल्ली

v. झा, डॉ॰ दिनेश कुमार, देवकांत झा; 2015 (द्वितीय संस्करण); मैथिली नाटकक विकास; साहित्य अकादमी, नई दिल्ली

vi. झा, सुरेश्वर; 2009 (द्वितीय संस्करण); मैथिली काव्यक विकास; साहित्य अकादमी, नई दिल्ली

vii. अविचल, अशोक; 2016; मैथिली उपन्यासक विकास; साहित्य अकादमी, नई दिल्ली

viii. झा, डॉ॰ रमानंद 'रमण'; 2020; मैथिली कथाक धाप; अखियासल प्रकाशन, मधुबनी

ix. नवीन, देवशंकर; 2020 (द्वितीय संस्करण); साँझक गाछ; राजकमल प्रकाशन, पटना

x. मिश्र, डॉ॰ कलानाथ; 2014; आधुनिक मैथिली साहित्य एवं नारी विमर्श; चेतना समिति, पटना

xi. पाठक, डॉ॰ अमरेश; 2007 (द्वितीय संस्करण); मैथिली उपन्यासक आलोचनात्मक अध्ययन

xii. चौधरी, प्रभास कुमार; 1988; कथा प्रभास; मैथिली अकादमी, पटना

xiii. झा, प्रो० श्री उमानाथ; 1984; अतीत; मैथिली अकादमी, पटना

xiv. झा, रमानंद 'रमण'; 2016; मैथिली कथाक समाज : भाषा एवं शिल्प; चेतना समिति, पटना

xv. प्रसाद, डॉ० मेघन; 1996 (प्रथम संस्करण); मैथिली कथा- कोश; पूनम प्रकाशन, समस्तीपुर

xvi. आनंद, विभूति (स०); 2012 (प्रथम संस्करण); ललित समग्र; मैथिली अकादमी, पटना

xvii. मिश्र, वैद्यनाथ 'यात्री', शोभाकान्त (सं०); 2006; चित्रा; राजकमल प्रकाशन, पटना

xviii. झा, डॉ० रमानंद ' रमण'; 1982; नवीन मैथिली कविता; मैथिली अकादमी, पटना

xix. नवीन, देवशंकर; 2004; हाथी चलए बाजार; चतुरंग प्रकाशन, बेगूसराय

xx. झा, डॉ० रमानंद 'रमण' (सं०); 2021 (दोसर संस्करण); मैथिली उपन्यासमे चित्रित समाज; चेतना समिति, पटना

xxi. झा, डॉ० श्रीशंकर; 2007; आधुनिक मैथिली नाटकक वैशिष्ट्य ओ विकास; मिथिला रिसर्च सोसाइटी, लहेरियासराय

xxii. मेहता, डॉ० अशोक कुमार; 2012; सम्प्रति; विभाग चन्द्रधारी मिथिला विज्ञान महाविद्यालय, दरभंगा

xxiii. झा, दमन कुमार; 2014; वस्तुनिष्ठ; साहित्यिकी – प्रकाशन, सरिसब–पाही, मधुबनी

हिन्दी

1. राधा कुमार, रमाशंकर सिंह; 2022; स्त्री संघर्ष का इतिहास; वाणी प्रकाशन
2. चाँद संकलन, विधवा प्रश्न बाल विवाह; 2021; नयी किताब प्रकाशन
3. अरविंद जैन, लीलाधर मंडलोई (सं०); 2004; स्त्री : मुक्ति का सपना; वाणी प्रकाशन
4. उमा चक्रवर्ती, साधना आर्य (सं०); 2021; स्त्री अध्ययन एक परिचय; वाणी प्रकाशन
5. 'शुक्ला', डॉ० अंजू; विधवाओं का संघर्ष; संकल्प प्रकाशन

पत्र-पत्रिका

1. नवारम्भ; मैथिली साहित्यमे विधवाक जीवन; अजीत आजाद; वर्ष : 11, अंक; 3, सितम्बर 2020
2. मंजरी; दीपिका झा, अप्रैल 2017, अंक-12
3. घर-बाहर, अक्टूबर – दिसम्बर, 2021

4. देसिल बयना; 2019, पाँचम विशेषांक

5. मैथिली शोध-पत्रिका; विश्वविद्यालय मैथिली विभाग, 2012

6. मिथिला आवाज; पाक्षिक, वर्ष :01, अंक : 12

7. मिथिला मिहिर; 16 मार्च1975; श्री सुधांशु 'शेखर' चौधरी (सं॰)

8. मिथिला मिहिर; 26 फरवरी1967; श्री सुधांशु 'शेखर' चौधरी (सं॰)

शोध- निर्देशक

अशोक 30.3.24

(प्रो. अशोक कुमार मेहता)

प्राचार्य,

विश्वविद्यालय मैथिली विभाग,

ललित नारायण मिथिला विश्वविद्यालय,

कामेश्वरनगर,दरभंगा 846004

गवेषिका

Priyanka Kumari
30/3/24

(प्रियंका कुमारी)

यू.जी.सी.नेट-जे.आर.एफ.

BR04000001

पैट क्रमांक:- E2211009

ग्राम :- धरहरा पुल बाइपास रोड

पोस्ट:- आरा

थाना:- नगर

जिला:- भोजपुर (बिहार)

पिन कोड :- 802301